CRUSADES(धर्म युद्ध)

- 11 वीं सदी के अंतिम दशक से 13वीं सदी के अंत तक यूरोप के योद्धाओं तथा सामान्य जन द्वारा फिलिस्तीन स्थित ईसाई धार्मिक स्थानों को मुसलमानों के नियंत्रण से मुक्त करने तथा पूर्व में latin राज्य को बनाए रखने के लिए जो सशस्त्र सैन्य अभियान किए गए उन्हें **धर्म युद्ध** की संज्ञा दी गई है।

Crusades शब्द का मध्य युग में कहीं उपयोग नहीं हुआ है यह आधुनिक शब्द है तत्कालीन समय में जेरूसलम का मार्ग, समुद्र यात्रा, यात्रा तथा तीर्थाटन शब्द का प्रयोग होता था।

Scanned with CamScanner

- धर्म युद्ध से संबद्ध 8 अभियान विशेष उल्लेखनीय हैं। इनमें से प्रथम चार प्रमुख युद्ध थे। शेष चार सामान्य महत्व के थे।
- पश्चिमी यूरोप की ईसाई तीर्थ यात्री पवित्र स्थान के दर्शनार्थ आने लगे जिसे प्रारंभ में मुसलमानों ने धन एवं पैसा प्राप्ति के लिए प्रोत्साहित किया ,किंतु सेलजुक शक्ति के उत्थान के साथ स्थिति बदल गई। फिलिस्तीन में ईसाई तीर्थ यात्रियों पर होने वाले विभिन्न तरह के अत्याचार, ईसाई गिरजा घरों को नष्ट किए जाने तथा अपवित्र किए जाने के फलस्वरूप प्रतिक्रिया होना स्वभाविक था। अब तक पुण्य भूमि की यात्रा करना यदि अच्छा माना जाता था तो अब उसे मुसलमानों से

Scanned with CamScanner

मुक्त करना अधिक पुण्य का काम समझा जाने लगा। इस प्रकार प्रारंभिक धर्म युद्ध तीर्थ यात्रा तथा धर्म युद्ध के मिले-जुले रूप थे।

- शासक कॉमुनुस के मदद के आह्वान को अर्बन द्वितीय ठुकरा ना सका। राजाओं और सामंतों पर हुक्म चलाने का शुभ अवसर वह जाने नहीं देना चाहता था। वह यह भी समझता था कि पूर्व में सफलता से पश्चिम में पद प्रतिष्ठा में आसानी होगी।
- पोप अर्बन द्वितीय ने 1095 ई. में फ्रांस स्थित Clermont के मैदान में विशाल जनसमुदाय को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जेरूसलम जहां ईसा मसीह ने अपना

Scanned with CamScanner

बचपन बिताया, युवावस्था गुजारी, प्रवचन किया तथा सलीब पर चढ़े उस प्रदेश को विधर्मी से मुक्त करना जरूरी है- **जेरूसलम को मुक्त करने के लिए लड़ो।** विशाल भीड़ ने कहा- **ईश्वर की यही इच्छा।(Gods wills it)**

धर्म युद्ध के कारण

1. चर्च में युद्ध प्रवृत्ति का विकास ने धर्म युद्ध को प्रोत्साहित किया। 11 वीं सदी तक चर्च का दृष्टिकोण पूर्णरूपेण सामरिक हो गया। चर्च के दृष्टिकोण में यह असाधारण परिवर्तन बर्बर जातियों के ईसाई मत में शामिल करने के फलस्वरूप हुआ। धर्म परिवर्तन से ईसाई समुदाय में शामिल नए लोग अपनी युद्ध प्रवृत्ति साथ लाएं तथा नए

Scanned with CamScanner

धर्म में पूर्ण आस्था का प्रदर्शन यह लोग युद्ध करके दिखला ना चाहते थे। सामंती नाइट का सूर धर्म धर्म अब चर्च के सूर धर्म में में परिवर्तित हो चुका था।

To be continued.....

BY:ARUN KUMAR RAI
Asst.Professor
P.G.Dept.of History
Maharaja College,Ara.

Scanned with CamScanner